गणपति गोरी जी के नंदन

गणपति गोरी जी के नंदन गणेश जी,
मैं शरण तुम्हारी आया हूँ , मेरी रक्षा करो हमेश जी ।

सबसे पहले तुम्हे धयाऊँ , फिर देवों के दर्शन पाऊं ।
गज बदन मूसे की सवारी, गजब तुम्हारा भेस जी ॥

तुम हो रिद्धि-सिद्धि के दाता, तुम बिन ज्ञान कोई न पाता ।
हे गजानन विश्व विधाता, मन में करो प्रवेश जी ॥

"अपरे वाला" बड़ा अज्ञानी , कैसे गाये तेरी बानी ।
"राजू" पर भी किरपा करके, काटो सकल क्लेश जी ॥

गायक - राजू उत्तम
लेखक- तारा अपरे वाला
कैसट- मैया दा फ़क़ीर
लेबल- S M I
www.rajuuttam.com
+91 9872573004, 9779767505

स्वर : राजू उत्तम

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1310/title/ganpati-gori-ji-ke-nandan-ganesh-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |